Poem-12 (देश मेरा यह सबसे न्यारा)

कविता का मूलभाव

कविता में भारत के पर्वतों, नदियों, झरनों, हवाओं, ऋतुओं तथा इसकी प्राकृतिक सुंदरता का वर्णन करते हुए इसे विश्व के अन्य सभी देशों से सुंदर, प्यारा तथा अनोखा बताया गया है।

Summary

This poem describes the natural beauty of India and considers it the most beautiful, lovely and unique country of the world.

कविता का सरलार्थ

देश मेरा.....कितना प्यारा!

मेरा देश भारत बहुत सुंदर, प्यारा तथा सब देशों से अनोखा है। ऊँचे-ऊँचे विशाल पर्वत इसकी रखवाली करते हैं। कोई भी दुश्मन इन्हें पार करके हमारे देश में प्रवेश नहीं कर सकता। इसकी लंबी-लंबी नदियाँ इसके विस्तृत क्षेत्र को सींचकर उसे हरा-भरा बनाती हैं। मेरा यह देश सुंदर, प्यारा तथा सब देशों से अनोखा है।

झर-झर.....कितना प्यारा।

झर-झर बहते निर्मल झरने खुशी के गीत गाते हुए से प्रतीत होते हैं। सर-सर की ध्वनि करती हवा चलती है तो पेड़ भी प्रसन्नता से झूमने लगते हैं। मेरा देश भारत सब देशों से अनोखा, प्यारा तथा सुंदर है।

बारी-बारी.....कितना प्यारा।

भारत में मौसम बदलता रहता है। समय-समय पर अलग-अलग ऋतुएँ आकर अपनी शोभा बिखेरती हैं। इसके फल-फूलों से भरे बगीचों में मधुर स्वर में गाती चिड़ियाँ इसकी सुख-समृद्धि की प्रतीक हैं। मेरा यह देश सबसे सुंदर, प्यारा तथा अनोखा है।

कितना प्यारा.....कितना प्यारा।

मेरा भारत इतना प्यारा है कि सभी को अच्छा लगता है। इस संसार का प्रत्येक बच्चा भारत का गुणगान करता है। मेरा यह देश सबसे सुंदर, प्यारा तथा अनोखा है।

3. **पढ़ें, समझें और लिखें—**

पङ्ख	—	पंख	अङ्क	—	···अंक···
मञ्च	—	मंच	पञ्छी	—	···पंछी···
घण्टी	—	घंटी	ठण्ड	—	···ठंड···
सुन्दर	—	सुंदर	अन्दर	—	···अंदर···
लम्बी	—	लंबी	चम्पा	—	···चंपा···

4. **पढ़ें, समझें और समान लयवाले शब्द चुनकर लिखें—**

न्यारा	—	···प्यारा···	बच्चा	—	···सच्चा···
गाएँ	—	···लहराएँ···	आतीं	—	···दिखलातीं···

6. **समझकर लिखें—**

क. पर्वत ऊँचे-ऊँचे इसके करते हैं रखवाली
····इसके ऊँचे-ऊँचे पर्वत रखवाली करते हैं।····

ख. देश मेरा यह सबसे प्यारा।
····मेरा यह देश सबसे प्यारा है।····

ग. इस धरती का बच्चा-बच्चा गुण है इसके गाता।
····धरती का बच्चा-बच्चा इसके गुण गाता है।····

घ. सबको है यह भाता।
····यह सबको भाता है।····

7. **लिखकर बताएँ ये क्या करते हैं—**

पर्वत	—	····रखवाली करते हैं।····
नदियाँ	—	····हरियाली फैलाती हैं।····
झरने	—	····खुशी के गीत गाते हैं।····
ऋतुएँ	—	····अपनी छटा दिखाती हैं।····
चिड़ियाँ	—	····मीठे गीत सुनाती हैं।····

Lesson-13 (जगदीश चन्द्र बसु)

पाठ का सारांश

पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। वे अन्य प्राणियों की भाँति खाते-पीते, सोते-जागते, हँसते-रोते, काम करते तथा आराम करते हैं। जगदीश चंद्र बसु के इसी शोध के बारे में पाठ में बताया गया है।

Summary

Trees and plants also have life. They do activities like other creatures like eating, drinking, sleeping, laughing, crying and taking rest. This lesson explains this research of Jagdish Chandra Basu.

3. पढ़ें और सही जगह पर ं या ँ लगाएँ—

संध्या	घंटी	चाँद	साँस
चंद्र	यंत्र	आँख	माँ
पंक	परंतु	दाँत	हँस

4. उदाहरण के अनुसार लिखकर वाक्य पूरे करें—

क. मुझे जुकाम हो रहा ····है····।

ख. पेड़-पौधे भी आराम करते ····हैं····।

ग. कुछ फूल रात में मुरझा जाते ····हैं····।

घ. मनीषा माँ की बात मानती ····है····।

ङ. दादा जी बीमार ····हैं····।

5. याद करके लिखें—

क. प्राणियों और पेड़-पौधों में समानता है कि ····दोनों में जीवन होता है। दोनों रात को आराम करते हैं। दोनों को प्यास लगती है। दोनों पानी पीते हैं।····

ख. जब डॉ. जगदीश चंद्र बसु ने पौधे पर विष डाला तो ····पौधा सबके देखते-देखते मुरझा गया तथा बेजान हो गया।····

6. **समझकर मिलान करें—**

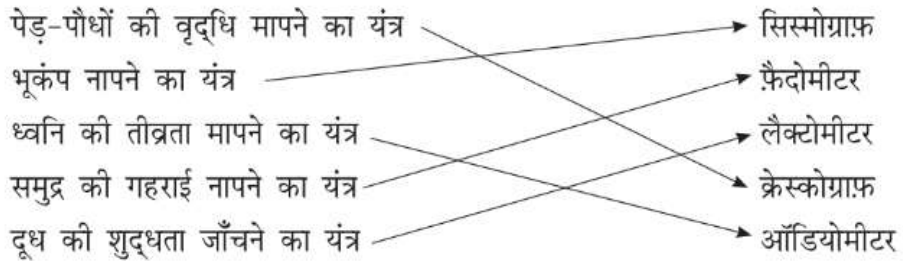

7. **लिखकर बताएँ—**

क. सौ वर्ष पूर्व तक लोगों का यह विश्वास था कि पेड़-पौधों में जीवन नहीं होता। वे सुख-दुख का अनुभव नहीं कर सकते।

ख. जगदीश चंद्र बसु ने पता लगाया कि पेड़-पौधों में जीवन होता है। वे अन्य प्राणियों की भाँति ही जीवन जीते हैं।

8. शिक्षिका छात्रों को श्रुतलेख लिखवाएँ तथा वर्तनी की शुद्धता पर ध्यान दें। अशुद्ध शब्दों को पुनः लिखने के लिए दें।